INTERMEDIATE EXAMINATION – 2020 (ANNUAL)

Sl. No. - 308

Maithili (opt.) (Model Set)

(मैथिली)

[Time : 03 Hrs. 15 Minutes] **[Full Marks : 100]**

I.A. – LL-MAITHILI (OPT)

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :–

1. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
3. इस प्रश्न पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
4. यह प्रश्न–पत्र दो खण्डों में है, खण्ड–अ एवं खण्ड–ब।
5. खण्ड–अ में 60 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं।(प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित है) इन 60 प्रश्नों में से किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर दिया जाना अनिवार्य है। परीक्षार्थी द्वारा 50 से अधिक प्रश्नों के उत्तर दिये जाने की स्थिति में कम्प्यूटर द्वारा प्रथम 50 प्रश्नों का मूल्यांकन किया जाएगा। वस्तुनिष्ट प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हेतु उपलबध कराये गये OMR–उत्तर पत्रक में दिये गए सही वृत्त को काले/नीले बॉल पेन से भरें। किसी भी प्रकार के ह्वाइटनर/तरल पदार्थ/ब्लेड/नाखून आदि का उत्तर–पुस्तिका में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।
6. खण्ड–ब में कुल 19 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के समक्ष अंक निर्धारित हैं।
7. किसी तरह के इलेक्ट्रॉनिक–यंत्र का प्रयोग वर्जित है।

खण्ड–अ (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न संख्या 1 से 60 तक के प्रत्येक प्रश्न के साथ चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें कोई एक सही है। इन 60 प्रश्नों में से किन्हीं 50 प्रश्नों के अपने द्वारा चुने गए सही विकल्प को OMR–शीट पर चिह्नित करें।

उत्तर तिरहुता अथवा देवनागरी लिपि में लिखू।

निम्नलिखित बहुवैकल्पिक उत्तर में कोनों 50 टाक सही उत्तर लिखू – (50x1=50)

1. गोविन्ददास क रचना अछि –

   A. जानकी–परिणय B. विद्यापति–वन्दना

   C. बाल–लीला D. सोहर

2. 'सोहर' शीर्षक कविताक रचनाकार छथि –

   A. मनबोध B. हर्षनाथ झा

   C. लालदास D. सोमदेव

3. 'बाल–लीला' कविताक कवि छथि –

   A. मनबोध B. पं0 गोविन्द झा

   C. आरसी प्रसाद सिंह D. लालदास

4. लालदासक रचना अछि –

   A. छुतहर B. चिनगी

   C. आवाहन D. जानकी–परिणय

5. 'चिनगी' शीर्षक कविताक रचनाकर छथि –

A. डॉ0 काञ्चीनाथ झा 'किरण'　　B. भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'

C. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'　　D. गौरीकान्त चौधरी 'कान्त'

6. काशीकान्त मिश्र 'मधुप' क रचना अछि –

A. सोहर　　B. छुतहर

C. नूतन स्वर　　D. उठह कृषक

7. 'आवाहन' शीर्षक कविताक रचयिता छथि –

A. भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'　　B. बैद्यनाथ मल्लिक 'विधु'

C. आरसी प्रसाद सिंह　　D. पं0 गोविन्द झा

8. 'नूतन स्वर' कविता छनि –

A. सोमदेवक　　B. पं0 गोविन्द झाक

C. हर्षनाथ झाक　　D. गोविन्द दासक

9. आरसी प्रसाद सिंहक कविता अछि –

A. बाढ़िक हकरोस　　B. गोबर थिकहुँ हम

C. शरद–संगीत　　D. मनुक्खक जीवन

10. 'गोबर थिकहुँ हम' कविता छनि –

A. मार्कण्डेय प्रवासीक　　B. मन्त्रेश्वर झाक

C. बैद्यनाथ मल्लिक 'विधु' क　　D. पं0 गोविन्द झाक

11. 'हम संस्कृति भारतवर्षक' कविताक रचयिता छथि –

A. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन'　　B. गौरीकान्त चौधरी 'कान्त'

C. आरसी प्रसाद सिंह　　D. काशीकान्त मिश्र 'मधुप'

12. पं0 गोविन्द झाक कविता अछि –

A. सोहर B. नूतन स्वर

C. बाल–लीला D. आवाहन

13. 'उठह कृषक' शीर्षक कविता छनि –

A. हर्षनाथ झाक B. गोविन्द दासक

C. सोमदेवक D. मन्त्रेश्वर झाक

14. गौरीकान्त चौधरी 'कान्त' क रचना अछि –

A. शरद–संगीत B. मनुक्खक जीवन

C. चिनगी D. छुतहर

15. 'अग्रतः सकलं शास्त्रं पृष्ठतः सशरं धनुः' शीर्षक कविताक रचनाकार छथि–

A. उपेन्द्र ठाकुर 'मोहन' B. आरसी प्रसाद सिंह

C. भुवनेश्वर सिंह 'भुवन' D. मार्कण्डेय प्रवासी

16. 'ऋतु–वर्णना' क रचयिता छथि –

A. म0 म0 परमेश्वर झा B. ज्योतिरीश्वर

C. कुमार गंगानन्द सिंह D. राजकमल चौधरी

17. 'सीमन्तिनी' क कथाकार छथि –

A. डॉ0 सर गंगानाथ झा B. म0म0 परमेश्वर झा

C. मनमोहन झा D. भाग्य नारायण झा

18. डॉ0 सर गंगानाथ झाक रचना अछि–

A- हाथीक दाँत B. मैथिली साहित्य में नचारी

C. अधोगति D. बड़ा दिनक धूमधाम

19. मनमोहन झाक कथा अछि –

A. ललका पाग B. रूना

C. ओवरलोड D. बाबी

20. 'राष्ट्रीय एकताक महत्त्व' निबन्धक रचनाकार छथि –

A. प्रो0 प्रबोध नारायण सिंह B. कुमार गंगानन्द सिंह

C. डॉ0 दुर्गानाथ झा 'श्रीश' D. डॉ0 जगदीश चन्द्र झा

21. प्रो0 प्रबोध नारायण सिंहक रचना अछि–

A. हाथीक दाँत B. सीमक लत्ती

C. बाबी D. रूना

22. 'ललका पागक' कथाकार छथि –

A. डॉ0 उषा किरण खान B. प्रभास कुमार चौधरी

C. राजकमल चौधरी D. प्रो0. मायानन्द मिश्र

23. डॉ0 जगदीश चन्द्र झाक रचना अछि –

A. बड़ा दिनक धूमधाम B. टुटैत कीलक जाँत

C. डॉ0 सर सी0वी0 रमण D. मैथिली निबंध साहित्यक रूपरेखा

24. 'ओवरलोड' कथाक रचयिता छथि –

A. डॉ0 भीमनाथ झा B. प्रो0 मायानन्द मिश्र

C. ललित D. भाग्य नारायण झा

25. डॉ0 दुर्गानाथ झा 'श्रीश' क रचना अछि –

A. डॉ0 सर सी0 वी0 रमण B. राष्ट्रीय एकताक महत्व

C. बड़ा दिनक धूमधाम D. मैथिली साहित्य में नचारी

26. 'टुटैत कीलक जाँत' शीर्षक कथाक रचयिता छथि –

A. प्रो0 प्रबोध नारायण सिंह B. प्रो0 मायानन्द मिश्र

C. भाग्य नारायण झा D. डॉ0 भीमनाथ झा

27. प्रभास कुमार चौधरीक रचना अछि –

A. सीमक लत्ती B. बाबी

C. ओवरलोड D. अधोगति

28. 'डॉ0 सर सी0 वी रमण' शीर्षकक रचयिता छथि –

A. भाग्य नारायण झा B. डॉ0 जगदीश चन्द्र झा

C. राजकमल चौधरी D. कुमार गंगानन्द सिंह

29. डॉ0 भीमनाथ झाक निबन्ध अछि–

A. मैथिली साहित्य में नचारी B. मैथिली निबन्ध साहित्यक रूपरेखा

C. राष्ट्रीय एकताक महत्व D. बड़ा दिनक धूमधाम

30. 'सीमक लत्ती' कथाक कथाकार छथि –

A. डॉ0 उषा किरण खान B. प्रो0 मायानन्द मिश्र

C. राजकमल चौधरी D. प्रभास कुमार चौधरी

31. 'सुरेश' क सन्धि–विच्छेद होइछ –

A. सुर + इश B. सुर+ईश

C. सु+रेश D. सुरा+ईश

32. 'निष्कपट' क सन्धि–विच्छेद होइछ–

A. निष + कपट B. निः+कपट

C. निष्क+पट D. निस+कपट

33. 'महेन्द्र' क सन्धि–विच्छेद होइछ–

A. महे+इन्द्र B. महा+इन्द्र

C. महि+इन्द्र D. मह+इन्द्र

34. 'रामायण' क सन्धि–विच्छेद होइछ –

A. रामा + आयन B. राम + आयन

C. राम + अयन D. रमा + अयन

35. 'उमेश' क सन्धि – विच्छेद होइछ–

A. उमा + इस B. उमा + ईश

C. उम + ईश D. उम + मेस

36. 'सन्धि' ककरा कहल जाइछ –

A. वर्णक मेल कैँ B. पदक मेल कैँ

C. वाक्यक मेल कैँ D. विसर्गक मेल कैँ

37. 'समास' ककरा कहल जाइछ –

A. पदक मेल कैँ B. वाक्यक मेल कैँ

C. वर्णक मेल कैँ D. विसर्गक मेल कैँ

38. सन्धिक कतेक भेद अछि –

A. दू B. तीन

C. चारि D. पाँच

39. वाच्यक कतेक भेद अछि–

A. चारि B. पाँच

C. छओ D. सात

40. समासक कतेक भेद अछि–

A. तीन
B. चारि
C. पाँच
D. छओ

41. 'हाथ सुतारब'क अर्थ होइछ–

A. स्वार्थ सिद्ध करब
B. उपकार
C. परोपकार
D. अपकार

42. 'नाक कटायब' क अर्थ होइछ–

A. प्रतिष्ठ नष्ट करब
B. प्रतिष्ठाक उपार्जन
C. नाक में घाव
D. अप्रतिष्ठा

43. 'वनर घुड़की' क अर्थ होइछ –

A. प्रभावहीन धमकी
B. वानर के घेरब
C. वानरक झुंड
D. धमकी

44. 'धरोहि लागब' के अर्थ होइछ –

A. लोकक कतार लागब
B. लोकक पलायन
C. लोकक जुटान नहि होयब
D. लोकक एकत्र नहि होयब

45. 'काहि काटब' क अर्थ होइछ –

A. भूखल रहब
B. कष्ट भोगब
C. प्यासल रहब
D. व्यग्र होयब

46. 'वृक्ष' क पर्यायवाची शब्द होइछ –

A. पादप
B. तनु
C. कंज
D. कानन

47. 'घोड़ा' क पर्यायवाची शब्द होइछ–

A. अश्व B. नाहर

C. कुंभी D. केहरि

48. 'आनन्द' क पर्यायवाची शब्द होइछ –

A. हर्ष B. मनोरथ

C. धीर D. सुधी

49. 'घट' क पर्यायवाची शब्द होइछ –

A. घटा B. घटी

C. घाट D. घैल

50. 'मृतिका' क पर्यायवाची शब्द होइछ–

A. माटि B. कादो

C. मृत D. गर्दा

51. 'अंत' क विपरीतार्थक शब्द होइछ–

A. अनंत B. समाप्त

C. कम D. पर्याप्त

52. 'अनुराग' क विपरीतार्थक शब्द होइछ–

A. विराग B. प्रेम

C. क्षोभ D. कष्ट

53. 'उपकार' क विपरीतार्थक शब्द होइछ –

A. परोपकार B. अपकार

C. साकार D. निराकार

54. 'आरोह' क विपरीतार्थक शब्द होइछ–

A. अवरोह B. अवरोध

C. विरोध D. उन्नति

55. 'सुगन्ध' क विरीतार्थक शब्द होइछ –

A. दुर्गन्ध B. विशिष्ट गंध

C. विकट गंध D. इत्र

56. 'कटि' क शब्दार्थ होइछ –

A. डाँर B. जाँघ

C. गर्दनि D. आंगुर

57. 'मद्य' क शब्दार्थ होइछ –

A. नसा B. दारू

C. मधु D. जल

58. 'शय्या' क शब्दार्थ होइछ –

A. खाट B. सेज

C. चौकी D. पलंग

59. 'संशय' के शब्दार्थ होइछ –

A. सदेह B. विदेह

C. संदेह D. द्वेष

60. 'अनुकंपा' के शब्दार्थ होइछ –

A. दया B. श्रद्धा

C. माया D. रम्य

खण्ड – ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

निम्नलिखित मे सँ कोनो पाँच लघुउत्तरीय प्रश्न उत्तर लिखू – (5 X 2 = 10)

1. वसंत ऋतु में नायिकाक अभिलाषा की होइत छैक ?
2. सर गंगानाथ झा किएक कहलन्हि अछि जे अधोगतिक विचार चित्त में नहि आनक चाही ?
3. 'राष्ट्रीय एकताक महत्व' निबंधसँ की प्रेरणा भेटैछ ?
4. 'नचारी' ककरा कहल जाइछ ?
5. गोबरक गुणक वर्णन करू।
6. चिनगीक तात्पर्य की अछि ?
7. 'उठह कृषक' में कवि की कहैत छथि ?
8. बाढ़िक प्रभाव पशु–पक्षी पर कोन रूपें पड़ैत अछि ?
9. 'छुतहर' शब्दक अभिप्राय लिखू।

निम्नलिखित कोनो तीन दीर्घ उत्तरीय प्रश्नक उत्तर लिखू – (3 X 5 = 15)

10. 'ललका पाग' कथाक सारांश लिखू।
11. 'बाबी' शीर्षक कथाक आधार पर बाबीक परिचय दिअ।
12. 'राष्ट्रीय एकताक महत्त्व' शीर्षक निबंध में वर्णित विचारक विवेचना करू।
13. 'सोहर' शीर्षक कविताक भावार्थ लिखू।

14. 'मधुप' जीक काव्य सौन्दर्य कैं अंकित करू।

15. 'नूतन स्वर' शीर्षक कविता में व्यक्त भावना कैं अंकित करू।

16. निम्नलिखित में सँ कोनो एक विषय पर निबंध लिखू – ***(1 X 8 = 8)***

क. अहाँक प्रिय साहित्यकार

ख. वर्त्तमान मूल्यवृद्धि

ग. मातृभाषाक महत्व

घ. अनुशासन

ङ. दुर्गापूजा

17. निम्नलिखित में सँ कोनो दूटा क सप्रसंग व्याख्या करू – ***(2 X 4 = 8)***

क. ''कनइत जसोमति पहुँचलि जाय

नेरू हेरयने जेहने धेनु गाय''

ख. ''काननेे कुसुम तोड़सि किए गोरी।

कुसुमहि निरमित सब तनु तोरी।।''

ग. ''मोन जेना कोनो मधुरता सँ भरि गेलैक। तथापि एक प्रकारक अपराध भावना सँ दबलि जकाँ नहुएँ सँ बिहुँसि कऽ पुछलकैक, किएक नहि खा लेलौं ..... हमरा तँ देरी भैए जाइत अछि।''

घ. ''कमलपुरक तिरू मरि चुकल छलीह। गाम मे बाड़ी–झाड़ी में घुमैत रहयवाली दोसराक खेत सँ साग आ परोड़ तोड़यवाली तिरू मरि चुकल छलि। आ जन्म लऽ रहलि छलि एकटा नव तिरू। छौंड़ी नहि पूर्ण स्त्री। मैथिल स्त्री, जे जीवन भरि सहैत रहैत अछि, बजैत अछि किछु नहि, किछुओ नहि।''

18. अपन छोट भाएकें एक पत्र लिखू, जाहि में आगामी परीक्षाक तैयारी करबाक निर्देश हो। ***(1x5=5)***

अथवा

प्रधानाचार्यक नाम सँ आवेदन लिखू, जाहि में शिक्षण शुल्क माफ करबाक निवेदन हो।

19. संक्षेपण करू – ***(1x4=4)***

''हमरा सभकेँ बूझय पड़त जे ई राष्ट्र एक शरीर थिक जकर कतेको अंग छैक। प्रत्येक अंग अपन–अपन स्थान पर महत्त्वपूर्ण अछि। परंतु जेना कोनो अंगक सुख–दुखक अनुभव समस्त शरीरकेँ होइत छैक तहिना राष्ट्रक कोनो भागक सुख–दुःख, सहानुभूति समस्त राष्ट्रकेँ होइत छैक। राष्ट्रक संग एहि प्रकारक तादात्म्य स्थापित कइए कऽ हमरा लोकनि अपन एकात्मकताक रक्षा कऽ सकैत छी।''